



पंजाब में बोल पीएम मोदी, भले ही राज्य में बीजेपी की सरकार नहीं, लेकिन केंद्र विकास के लिए प्रतिबद्ध

जालंधर, 17 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जुलाई को जालंधर में 5,470 करोड़ रुपये से ज्यादा की रेल और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए, राज्य के राजनीतिक नेतृत्व की परवाह किए बिना पंजाब के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 20 राज्यों में 75 नए सिरे से विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया, जिनमें जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन भी शामिल है, और पंजाब, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश में कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए नई ट्रेन सेवाओं की शुरुआत की। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज हमारा जालंधर विकास का

जश्न मना रहा है। आज मुझे जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू करने का मौका मिला। यहीं पर मुझे कुरुक्षेत्र में एक भव्य सिख म्यूजियम की आधारशिला रखने का सौभाग्य भी मिला। भले ही पंजाब में बीजेपी की सरकार नहीं है, लेकिन पंजाब के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। केंद्र में BJP के नेतृत्व वाली NDA सरकार राज्य की तरक्की सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। उन्होंने स्वच्छता अभियान में स्थानीय लोगों की भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि मैं विशेष रूप से जालंधर के लोगों की तारीफ करता हूँ, जिन्होंने स्वच्छता के साथ स्वागत पहल के जरिए इस कार्यक्रम को और भी सार्थक बना दिया है। श्री गुरु रविदास जी द्वारा दिए गए सद्भाव



और सामूहिक प्रयासों के संदेश को आप सभी ने साकार किया है। प्रधानमंत्री ने सिख नेता सरदार तेजा सिंह समुंदरी को उनकी शहादत की 100वीं बरसी पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उन्हें पंजाब का एक महान सपूत बताया, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान देश की सेवा और सिखों के हितों की रक्षा के लिए अपना जीवन

समर्पित कर दिया था। केंद्र सरकार के कामकाज के तरीके का जिक्र करते हुए, पीएम मोदी ने बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सार्वजनिक सेवाओं के जरिए नागरिकों का जीवन बेहतर बनाने की सरकार की कोशिशों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार की प्राथमिकता भारत के हर नागरिक की सेवा

करना, हर नागरिक का जीवन आसान बनाना और नए अवसर उपलब्ध कराना है। हम 'नागरिक ही ईश्वर हैं' के मंत्र का पालन कर रहे हैं। भारतीय रेलवे की हालत के लिए पिछली सरकारों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की सवारी है। लेकिन 2014 से पहले, कांग्रेस सरकार नई ट्रेनों की झूठी घोषणाएं करती थी और फिर चुपचाप बैठ जाती थी। रेलवे स्टेशनों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता था। भारतीयनौसेना जानकारी जिन मुख्य प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया गया, उनमें लगभग 830 करोड़ रुपये की लागत से बनी दौलतपुर चौक-करतोली रेल लाइन और करतोली-अंबाला व अमृतसर (छेहरटा)-वाराणसी ट्रेन सेवाएं शामिल हैं।

10 साल में 152 पेपर लीक एक भी इंसान को सजा नहीं, राहुल गांधी का सरकार पर तीखा हमला

देहरादून, 17 जुलाई। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देहरादून में आयोजित छात्रों की गुंज कार्यक्रम के दौरान पेपर लीक के मुद्दे पर केंद्र सरकार को जमकर घेरा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में देश में 152 पेपर लीक की घटनाएं हुई हैं, जिनसे लगभग साढ़े सात करोड़ छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है, लेकिन आज तक एक भी दोषी को सजा नहीं मिली है। राहुल गांधी ने शिक्षा व्यवस्था पर प्रहार करते हुए कहा कि पेपर लीक की इन घटनाओं में पूरा सिस्टम शामिल है। उन्होंने दावा किया कि इसमें नीचे के स्तर पर कोचिंग सेंटर, फिर माफिया, उसके ऊपर NTA (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) और अंत में मंत्रालय तक की मिलीभगत है। उन्होंने कहा कि भारत में पेपर लीक के लिए हाई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हो रहा है, जो देश की



शिक्षा व्यवस्था की बदहाली को दर्शाता है। छात्रों से संवाद करते हुए राहुल गांधी ने आंकड़ों का हवाला दिया कि देश में 9 करोड़ अभ्यर्थी हैं, जिनमें से केवल 6 लाख ही सफल हो पाते हैं। उन्होंने कहा कि आज युवाओं के सामने दो रास्ते हैं, पहला ईमानदारी का और दूसरा भ्रष्टाचार व पेपर लीक का। हालांकि देश के 99% छात्र ईमानदार हैं, लेकिन 1% लोग सिस्टम का दुरुपयोग कर बाकी छात्रों की मेहनत का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षा की भारी कीमत और सीमित अवसरों को छात्रों के साथ

होने वाला 'अंतिम अन्याय' करार दिया। कार्यक्रम के दौरान एक अत्यंत भावुक क्षण तब आया जब मंच पर मृतक छात्रा रिया थापा के पिता पहुंचे। उन्होंने रोते हुए बताया कि उनकी बेटी दिन-रात पढ़ाई करती थी, लेकिन पेपर लीक से हताश होकर उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। उनकी बातें सुनकर वहां मौजूद सभी लोग भावुक हो गए। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि यह कोई राजनीतिक बैठक नहीं है, बल्कि यह देश के युवाओं के संघर्ष और उनके भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा का एक मंच है।

अहम मुद्दों पर जवाबदेही से भाग रही है सरकार : गौरव गोर्गोई

असम, 17 जुलाई। कांग्रेस सांसद गौरव गोर्गोई ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी संसद के आगामी मॉनसून सत्र के दौरान जनता से जुड़े मुद्दों को उठाएगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या केंद्र सरकार अयोध्या, शिक्षा व्यवस्था, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, विदेश नीति और मणिपुर से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देगी। अठकसे बात करते हुए गोर्गोई ने आरोप लगाया कि सरकार इन अहम मुद्दों पर चर्चा से बचने के लिए शायद संसद को ठीक से काम न करने दे। उन्होंने सरकार की जवाबदेही से बचने की कोशिश पर चिंता जताई। सत्र के लिए विधायी एजेंडे के बारे में गोर्गोई ने कहा कि कांग्रेस प्रस्तावित बिलों पर सामूहिक रूप से फैसला लेने के लिए अपने INDIA गठबंधन के सहयोगियों और अन्य विपक्षी दलों से सलाह-मशविरा करेगी। उन्होंने कहा कि हम उन सभी अहम मुद्दों को उठाएंगे जो जनता के जीवन में सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। ज्यादा जरूरी बात यह है कि क्या सरकार अयोध्या,



शिक्षा व्यवस्था, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, विदेश नीति और मणिपुर के मुद्दों पर जवाब देगी और अपनी प्रतिक्रिया देगी? मुझे डर है कि सरकार संसद को ठीक से नहीं चलने देगी और इन मुद्दों को उठाने भी नहीं देगी, क्योंकि वे इन अहम मुद्दों पर अपनी जिम्मेदारी से भागना चाहते हैं। जब बिल आएंगे, तो हम अपने गठबंधन सहयोगियों और विपक्षी दलों के साथ चर्चा करेंगे और आपसी सहमति के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा।

इससे पहले शुक्रवार को कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने महिला आरक्षण बिल पर पार्टी का साफ रुख दोहराया और दावा किया कि परिसीमन बिल

इसी के नाम पर लाया जा रहा है। अठक से बात करते हुए तिवारी ने कहा कि कांग्रेस परिसीमन बिल का विरोध करेगी और बताया कि पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है।

तिवारी ने कहा कि हमने उनसे परिसीमन के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने को कहा है। पहले भी ऐसा ही पत्र भेजा गया था और अब फिर से भेजा गया है। महिला आरक्षण पर हमारा रुख साफ है। अगर महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन लाया जाता है, तो हम उसका विरोध करेंगे। गुरुवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 पर सरकार की संशोधित प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया।

सिंधु जल संधि पर भारत का सख्त रुख बरकरार, हेग के फैसले को फिर किया खारिज, पाकिस्तान को दो टूक संदेश

नई दिल्ली, 17 जुलाई। भारत ने सिंधु जल संधि से जुड़े विवाद पर अपना रुख दोहराते हुए 15 मई, 2026 को हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन द्वारा जारी फैसले को अमान्य करार दिया है। यह फैसला पश्चिमी नदियों पर भारत की जलविद्युत परियोजनाओं में जल भंडारण की अनुमति से जुड़ा था। भारत का कहना है कि यह न्यायाधिकरण संधि के प्रावधानों के अनुरूप गठित नहीं किया गया और इसलिए उसका निर्णय भारत पर बाध्यकारी नहीं है। भारत ने 23 अप्रैल, 2025 को सिंधु जल संधि के सहयोगात्मक प्रावधानों को स्थगित करने की घोषणा की थी। यह फैसला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद लिया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष भी हुआ। भारत का कहना है कि संधि से जुड़े सहयोगात्मक प्रावधान तब तक निलंबित रहेंगे, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो दूसरे पक्ष से संधि के सहयोगात्मक दायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। हालांकि



2026 को भी इस नीति की पुष्टि की थी। भारत का तर्क है कि 1960 की सिंधु जल संधि आपसी सद्भावना और सहयोग की भावना पर आधारित थी। नई दिल्ली का कहना है कि यदि एक पक्ष लगातार आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो दूसरे पक्ष से संधि के सहयोगात्मक दायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। हालांकि

भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसने अभी तक पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी के प्राकृतिक प्रवाह में कोई रुकावट नहीं डाली है। भारत के अनुसार, फिलहाल केवल सहयोगात्मक प्रक्रियाएं, जैसे हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना, स्थायी सिंधु आयोग की बैठकें और विवाद समाधान तंत्र में भागीदारी, स्थगित की गई हैं। भारत की आपत्ति मुख्य रूप से विवाद समाधान प्रक्रिया को लेकर है। उसका कहना है कि सिंधु जल संधि का अनुच्छेद क विवादों के समाधान के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया निर्धारित करता है। पहले मामला स्थायी सिंधु आयोग के समक्ष जाना चाहिए, उसके बाद तकनीकी विवादों के लिए न्यूट्रल एक्सपर्ट और अंत में केवल कानूनी व्याख्या से

जुड़े मामलों में कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन का विकल्प अपनाया जा सकता है। भारत का आरोप है कि किशनगंगा और रतले परियोजनाओं से जुड़े मामलों में पाकिस्तान ने इस निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना सीधे कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन का रुख किया, जबकि भारत पहले ही न्यूट्रल एक्सपर्ट की नियुक्ति का अनुरोध कर चुका था। नई दिल्ली का कहना है कि एक ही विवाद पर समानांतर रूप से दो अलग-अलग मंचों पर सुनवाई संधि की मूल भावना के विपरीत है और इससे विरोधाभासी फैसलों की स्थिति पैदा हो सकती है। भारत का दावा है कि उसने 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि का पालन 1965, 1971 और 1999 के युद्धों के दौरान भी किया।

भारत ने शुरू किया न्यूक्लियर हाइड्रोजन प्लांट, परमाणु ऊर्जा से बनेगा भविष्य का ईंधन

नई दिल्ली, 17 जुलाई। भारत ने एक ऐसा न्यूक्लियर प्लांट शुरू किया है जो कॉपर और क्लोरीन पर आधारित कैटलिटिक साइकल का इस्तेमाल करके हाइड्रोजन प्पुल बनाता है। डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी ने 26 जून को तमिलनाडु के कलपक्कम में इंदिरा गांधी सेंटर फॉर एटॉमिक रिसर्च में इस सुविधा का उद्घाटन किया। इस जगह पर मौजूद फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर उस थर्मोकेमिकल रिएक्शन को चलाने के लिए गर्मी देता है जिससे हाइड्रोजन बनती है। DAE के सेक्रेटरी और भारत के एटॉमिक एनर्जी कमीशन के चेयरमैन अजीत कुमार मोहंती ने इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए कहा, हाइड्रोजन को भविष्य का फ्यूल माना जाता है। जैसे-जैसे देश कार्बन उत्सर्जन कम करने की कोशिश कर रहे हैं... हाइड्रोजन इंडस्ट्री, ट्रांसपोर्टेशन और भविष्य के एनर्जी सिस्टम को चलाने में अहम भूमिका



निभाएगा। आजकल ज्यादातर हाइड्रोजन मीथेन की स्टीम रिफॉर्मिंग से मिलती है, जिसमें नेचुरल गैस से हाइड्रोजन अलग की जाती है और कार्बन डाइऑक्साइड निकलती है। एक साफ तरीका इलेक्ट्रोलेसिस है, जिसमें पानी को अलग करने के लिए बिजली का इस्तेमाल होता है, लेकिन इसमें बहुत ज्यादा बिजली लगती है। कलपक्कम का प्लांट एक तीसरा तरीका अपनाता है: पानी को सीधे अलग करने के लिए गर्मी का इस्तेमाल करना। गर्मी को बिजली में बदलने के स्टेप को छोड़ने से एनर्जी बचती है और प्रोडक्शन की क्षमता बढ़ती है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में 12 साल में हेल्थकेयर सेक्टर में अभूतपूर्व विकास : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 17 जुलाई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने 17 जुलाई को चंडीगढ़ के PGIMER में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के हेल्थकेयर सेक्टर में आए बदलाव को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को एक ज्यादा व्यापक और बचाव-केंद्रित हेल्थकेयर मॉडल की दिशा में एक



अहम बदलाव के तौर पर रेखांकित किया। प्रधानमंत्री द्वारा हेल्थकेयर

प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में मौजूद लोगों

को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 सालों में भारत ने कई क्षेत्रों में जबरदस्त तरक्की की है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, हमने पिछले 12 सालों में देश के हर क्षेत्र में भारी विकास की कहानी देखी है। अगर हम हेल्थ सेक्टर की बात करें, तो आपके नेतृत्व में जो काम हुआ है, वह अभूतपूर्व है। नड्डा ने बताया कि 2017 की राष्ट्रीय

स्वास्थ्य नीति पिछले तरीकों से काफी अलग थी, क्योंकि इसमें सिर्फ इलाज पर ही नहीं, बल्कि बीमारी से बचाव और लोगों की सेहत को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया गया था। उन्होंने कहा कि आपकी ही अगुवाई में 2017 में भारत की स्वास्थ्य नीति तैयार की गई थी, जो पिछली स्वास्थ्य नीति से बिल्कुल अलग थी। इसका नजरिया अलग था - एक व्यापक और सबको साथ लेकर चलने

वाली स्वास्थ्य नीति। इस नीति का मकसद सिर्फ बीमारी का इलाज करना नहीं था, बल्कि यह पक्का करना भी था कि लोग बीमार ही न पड़ें। मंत्री ने आगे कहा कि इस नीति में सेहत को बढ़ावा देने, बीमारी से बचाव, इलाज, दर्द कम करने वाले इलाज, बुजुर्गों की देखभाल और ठीक होने में मदद करने वाली स्वास्थ्य सेवाएँ शामिल हैं।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
— Since 1992 —
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
📍 Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
📍 Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gaurahripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
— Limited Seats / Small Batch Size —
CALL NOW: 7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERAPY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीवी नगर मुंबई-37
* **Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre**
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनों के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणों को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारों और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.) ● MHT-CET
● NEET ● Polytechnic & Engg
● JEE ● Physics and Maths (Main & Advance) (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

समाज सुधार का समय: नशामुक्त युवा, मर्यादित संस्कृति और अपराधमुक्त हरियाणा



-प्रियंका सौरभ

किसी भी राज्य की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा शक्ति होती है। यदि युवाओं के हाथों में शिक्षा, रोजगार, संस्कार और अवसर हों तो वही युवा राज्य और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाते हैं। लेकिन यदि उन्हीं युवाओं के हाथों में नशा, अपराध और भटकाव आ जाए तो वही शक्ति समाज के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। आज हरियाणा सहित देश के अनेक हिस्सों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, गैंगस्टर संस्कृति का प्रभाव, सोशल मीडिया पर अपराध का महामांदंड और मंचीय कार्यक्रमों में बढ़ती अश्लीलता ऐसे विषय हैं जिन पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इन समस्याओं का समाधान केवल कानून के भरोसे नहीं हो सकता, बल्कि समाज, परिवार, कलाकार, शिक्षण संस्थान और प्रशासन सभी को मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।।बसे पहली और सबसे बड़ी लड़ाई नशे के विरुद्ध होनी चाहिए। यदि नशा समाप्त हो जाए तो अपराधों का एक बड़ा कारण स्वतः समाप्त हो जाएगा। नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है। एक युवा जब नशे की गिरफ्त में आता है तो उसकी पढ़ाई छूटती है, स्वास्थ्य बिगड़ता है, परिवार आर्थिक संकट में घिर जाता है और धीरे-धीरे वह अपराध की दुनिया की ओर बढ़ने लगता है। अनेक बार चोरी, लूट, हिंसा और हत्या जैसे अपराधों के पीछे नशे की लत प्रमुख कारण बन जाती है। इसलिए नशामुक्त समाज केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और सामाजिक विकास का भी विषय है।

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बेटा या बेटी पढ़-लिखकर सम्मानजनक पदवीं जिते। कोई भी मां यह नहीं चाहती कि उसका बेटा नशे का शिकार होकर उसकी आँखों के सामने बर्बाद हो जाए। इसलिए सरकार, प्रशासन और समाज का पहला लक्ष्य यही होना चाहिए कि युवा पीढ़ी को नशे से बचाया जाए। यदि युवा सुरक्षित रहेंगे तो परिवार सुरक्षित रहेगा और यदि परिवार सुरक्षित रहेगा तो समाज और राष्ट्र भी मजबूत बनेगा। ऐसी व्यवस्था विकसित होनी चाहिए कि किसी घर की माँ अपने बेटे की लाश देखकर न रोए और किसी पिता को अपने बेटे के भविष्य के लिए निराश न होना पड़े। नशे के विरुद्ध केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नियमित जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। विद्यार्थियों को खेल, पुस्तकालय, सांस्कृतिक गतिविधियों और कौशल विकास से जोड़ना होगा। युवाओं को यह विश्वास दिलाना होगा कि जीवन की असली सफलता नशे में नहीं, बल्कि मेहनत, शिक्षा और अनुशासन में है। गांवों और शहरों में नशामुक्ति केंद्रों को अधिक प्रभावी बनाना होगा ताकि जा लोग नशे की गिरफ्त में आ चुके हों, उन्हें सम्मानपूर्वक मुख्यधारा में वापस लाया जा सके। इसके साथ ही गैंगस्टर संस्कृति और अलग एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन चुकी है। कुछ अपराधी संगठन भोले-भाले और नाबालिग बच्चों को अपने जाल में फंसाकर उनका उपयोग अपराधों में करते हैं। कम उम्र के बच्चों को आसान पैसे, महंगी गाड़ियाँ, हथियारों का आकर्षण और सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि का लालच देकर अपराध की राह पर धकेल दिया जाता है। कई बार इन बच्चों को यह भी समझ नहीं होता कि वे किस दलदल में उतर रहे हैं। जब तक उन्हें वास्तविकता का एहसास होता है, तब तक उनका भविष्य, उनका परिवार और उनका जीवन संकट में पड़ चुका होता है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि अपराध करने वाले बड़े लोग स्वयं पीछे रहते हैं और मासूम बच्चों को आगे कर देते हैं। अपराध का दंड अंततः उन्हीं बच्चों और उनके परिवारों को भुगतना पड़ता है। एक नाबालिग के अपराध में शामिल होने से उसका पूरा परिवार सामाजिक अपमान, आर्थिक कठिनाइयों और मानसिक पीड़ा से गुजरता है। इसलिए ऐसे अपराधी गिरोंहों पर कठोर कार्रवाई समर्थ की मांग है।

पुलिस प्रशासन लगातार अपराध नियंत्रण के लिए प्रयास करता है, लेकिन समाज का सहयोग भी उतना ही आवश्यक है। यदि किसी क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियाँ दिखाई दें, यदि कोई व्यक्ति बच्चों को अपराध के लिए बहला-फुसलाकर अपने साथ जोड़ रहा हो या अशुभ हथियारों और नशे का कारोबार कर रहा हो, तो उसकी सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है। अपराधियों के विरुद्ध समाज की सामूहिक जागरूकता ही सबसे प्रभावी हथियार बन सकती है। सोशल मीडिया ने भी इस समस्या को कहीं न कहीं बढ़ाया है। आज कुछ लोग गैंगस्टरों को नायक की तरह प्रस्तुत करते हैं। उनके गानों, वीडियो और पोस्टरों में अपराध को शक्ति और सम्मान का प्रतीक दिखाया जाता है। यह प्रवृत्ति युवाओं के मन पर गलत प्रभाव डालती है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज ऐसे मिथकों को तोड़े और युवाओं को वास्तविक नाराओं से परिचित कराए-वे लोग जिन्होंने शिक्षा, विज्ञान, खेल, सेना, कृषि, उद्योग और सामाजिक सेवा के माध्यम से देश का नाम रोशन किया है। इसी प्रकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मंचीय आयोजनों की दिशा पर भी गंभीर चिंतन आवश्यक है। हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध रही है। यहां की रागनी, लोकगीत, सांग, लोकनृत्य और पारंपरिक कलाएं भारतीय संस्कृति की पहचान हैं। इन लोक परंपराओं में मनोरंजन के साथ-साथ नैतिक शिक्षा, सामाजिक संदेश और सांस्कृतिक गरिमा भी होती थी। लेकिन समय के साथ कुछ मंचीय कार्यक्रमों में अश्लीलता, फूहड़ता और अनावश्यक प्रदर्शन बढ़ने की शिकायतें सामने आती रही हैं।

यह उचित नहीं कि परिवार के साथ देखने योग्य कार्यक्रमों में ऐसे दृश्य प्रस्तुत किए जाएं जिनसे बच्चों और किशोरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। कलाकार समाज के प्रेरणास्रोत होते हैं। उनके शब्द, उनका पहनावा, उनकी प्रस्तुति और उनका व्यवहार लाखों लोगों तक पहुंचता है। इसलिए कलाकारों की सामाजिक जिम्मेदारी भी उतनी ही बढ़ी है जितनी उनकी लोकप्रियता। हरियाणा के कलाकारों से अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे मंच पर मर्यादा का पालन करें। मनोरंजन का अर्थ अश्लीलता नहीं होता। कला अभी महान बनती है जब वह समाज को जोड़ने, प्रेरित करने और सकारात्मक दिशा देने का कार्य करे। लोकसंस्कृति की आत्मा उसकी सादगी, संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना में है। इसी मंच केवल उत्तेजना का माध्यम बन जाए तो वह अपनी मूल पहचान खो देता है। जहां कहीं भी सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित हों, वहां आयोजकों की भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन हो, समाज प्रस्तुतियों से बचा जाए, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रित हो और कार्यक्रम आर्थिक मर्यादा के अनुरूप हों। इससे संस्कृति भी सुरक्षित रहेगी और समाज में सकारात्मक वातावरण भी बनेगा।

हालाँकि यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी कला या सांस्कृतिक गतिविधि का मूल्यांकन संतुलित दृष्टि से होना चाहिए। सभी कलाकार या सभी मंचीय कार्यक्रम एक जैसे नहीं होते। अनेक कलाकार आज भी उत्कृष्ट लोकसंस्कृति, सामाजिक संदेश और पारिवारिक मनोरंजन को बढ़ावा दे रहे हैं। इसलिए आवश्यकता किसी पूरे वर्ग को दोषी ठहराने की नहीं, बल्कि उन प्रवृत्तियों को हतोत्साहित करने की है जो सामाजिक मर्यादाओं के विरुद्ध जाती हैं। यदि समाज में नशा कम होगा, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण होगा और सांस्कृतिक कार्यक्रम सकारात्मक दिशा देंगे तो युवा पीढ़ी को बेहतर वातावरण मिलेगा। इसके लिए सरकार को रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे, खेल सुविधाओं का विस्तार करना होगा, ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तकालय और खेल मैदान विकसित करने होंगे तथा युवाओं को गलत प्रशिक्षण से जोड़ना होगा। खाली समय और निराशा कई बार युवाओं को शराब पीने की ओर ले जाती है। सकारात्मक विकल्प उपलब्ध करना भी उतना ही आवश्यक है जितना कानून का पालन कराना। परिवारों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। माता-पिता को बच्चों के मित्र बनना होगा। उनके व्यवहार, मित्र ढ़ंदली और डिजिटल गतिविधियों पर संवेदनशील निगरानी रखनी होगी। बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना, उन्हें नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना और समय-समय पर उनकी समस्याओं को समझना अपराध और नशे से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यालय केवल परीक्षा पास कराने का माध्यम नहीं है। वे चरित्र निर्माण के केंद्र हैं। यदि शिक्षक विद्यार्थियों में अनुशासन, संवेदनशीलता, देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व का भाव विकसित करें तो आने वाली पीढ़ी अधिक जागरूक और जिम्मेदार बन सकती है। मीडिया और मनोरंजन जगत को भी आत्मसमर्थ करना होगा। समाज वही अधिक देखता और अपनाता है जिसे बार-बार प्रस्तुत किया जाता है। यदि सकारात्मक उदाहरणों को अधिक स्थान मिलेगा, तो युवा भी उसी दिशा में प्रेरित होंगे। यदि अपराधियों का महामांदंड कम होगा और मेहनतकश, ईमानदार तथा सफल व्यक्तियों की कहानियाँ अधिक सामने आएंगी, तो समाज का वातावरण भी बदलेगा। हरियाणा ने देश को सैनिक, खिलाड़ी, वैज्ञानिक, किसान, खिलाड़ी, प्रशासनिक अधिकारी और अनेक प्रतिभाशाली नागरिक दिए हैं। यह प्रदेश अपनी मेहनत, साहस और सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता है। इसलिए आवश्यक है कि उसकी नई पीढ़ी भी उसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाए। इसके लिए नशे, अपराध और सामाजिक विकृतियों के विरुद्ध व्यापक जनजागरण अभियान चलाना समय की आवश्यकता है। समाज सभी आगे बढ़ता है। यह वह समय है जहां को पहचानकर उत्तरे समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करेंगे। यदि हम सच्चे मांसुह हैं कि हर घर में खुशहाली हो, किसी माँ की आँख अपने बेटे के लिए न रोए, कोई मासूम अपराध की दुनिया में न धकेला जाए और हमारी संस्कृति अपनी गरिमा के साथ आगे बढ़े, तो हमें आज ही संकल्प लेना होगा।

शाह-योगी की दिल्ली बैठक से बदल गई यूपी चुनाव की सियासी बिसात



-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ मुलाकातें ऐसी होती हैं जिनका आधिकारिक एजेंडा भले सार्वजनिक न किया जाए, लेकिन उनके राजनीतिक संदेश लंबे समय तक महसूस किए जाते हैं। मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच करीब 40 मिनट चली बैठक भी ऐसी ही एक मुलाकात मानी जा रही है। मुख्यमंत्री ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया और सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं, लेकिन जिस समय यह बैठक हुई और उसके पहले तथा बाद की राजनीतिक गतिविधियां पर नजर डालें तो तस्वीर कहीं ज्यादा बड़ी दिखाई देती है। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा विवाद, सुप्रीम कोर्ट की ओर से ट्रस्ट और सरकार को नोटिस, भाजपा के संगठनात्मक फेरबदल, 2027 विधानसभा चुनाव की शुरुआती तैयारी और विपक्ष के बदलते सामाजिक समीकरण इन सभी घटनाओं के बीच हुई यह बैठक राजनीतिक गलियारों में कई सवाल छोड़ गई है। भारतीय जनता पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की धुरी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने देशभर में 240 सीटें जीतीं, लेकिन उत्तर प्रदेश में पार्टी का आंकड़ा 62 से घटकर 33 पर आ गया। सहयोगियों के साथ एनडीए की संख्या 36 रही, जबकि समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनने का

इसी पृष्ठभूमि में भाजपा का पूरा फोकस अब 2027 विधानसभा चुनाव पर है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए 202

सीटों का बहुमत चाहिए।2022 में भाजपा गठबंधन ने 273 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, जबकि समाजवादी पार्टी गठबंधन 125 सीटों तक पहुंचा था। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राजनीतिक समीकरण बदलते दिखे हैं। भाजपा यह मानकर चल रही है कि विधानसभा चुनाव लोकसभा से अलग होते हैं, फिर भी पार्टी किसी तरह का जोखिम लेने के मूढ़ में नहीं है। दिल्ली में शाह और योगी की मुलाकात को इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा

माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बैठक में सिर्फ कानून-व्यवस्था या विकास परियोजनाओं की समीक्षा नहीं हुई होगी, बल्कि संगठन, सामाजिक समीकरण, विपक्ष की रणनीति और चुनावी नैरेटिव पर भी विस्तार से चर्चा हुई होगी। खासतौर पर ऐसे समय में जब विपक्ष लगातार अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गड़बड़ी के मुद्दे को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नोटिस जारी होने के बाद भाजपा भी अतिरिक्त सतर्क नजर आ रही है क्योंकि पार्टी नहीं चाहती कि विपक्ष धार्मिक आस्था से जुड़े इस विषय को उसके खिलाफ राजनीतिक अभियान में बदल दे।

दिलचस्प बात यह है कि शाह-योगी मुलाकात से कुछ दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का उत्तर प्रदेश दौरा भी इसी रणनीतिक कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्रियों, प्रदेश संगठन, सांसदों, विधायकों और जिला स्तर तक के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में सबसे अधिक जोर संगठनात्मक अनुशासन, बूथ प्रबंधन और लोकसभा चुनाव में सामने आई कमजोरियों को दूर करने पर दिया गया। पार्टी नेतृत्व ने साफ संदेश दिया कि व्यक्तिगत बयानबाजी या गुटबाजी से बचते हुए सभी नेताओं को एक ही राजनीतिक लाइन पर काम करना होगा।

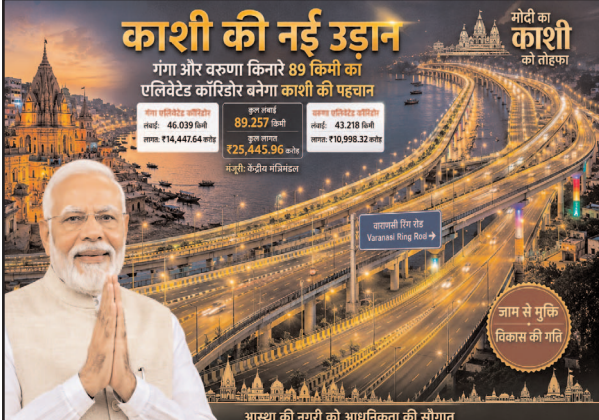
रफ्तार पकड़ता 'क्योटो विजन', बदलती काशी की तकदीर



-सुरेश गांधी

गंगा-वरुणा के ऊपर दौड़ती सड़कें केवल कंक्रीट नहीं, बल्कि उस परिकल्पना का विस्तार हैं जिसे 2014 में एक राजनीतिक संकल्प माना गया था। अब सवाल यह नहीं कि काशी बदली या नहीं, बल्कि यह है कि क्या दुनिया का सबसे प्राचीन जीवंत शहर आधुनिक भारत का सबसे बड़ा 'हेरिटेज-अर्बन मॉडल' बनने की ओर बढ़ रहा है? साल 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ते हुए कहा था कि रक्षाशी को क्योटो की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, र तब इस कथन की राजनीतिक चर्चा ज्यादा हुई थी और शहरी नियोजन पर विमर्श कम। विरोधियों ने इसे चुनावी भाषण बताया। समर्थकों ने इसे एक बड़े विजन के रूप में देखा। बारह वर्ष बाद जब केंद्रीय मॉडल ने गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर और वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर जैसी लगभग 25,446 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी, तो यह स्पष्ट हो गया कि वह केवल दो सड़कें नहीं हैं, यह एक लंबी विकास यात्रा का नया पड़ाव है। यदि इतिहास की दृष्टि से देखा जाए तो यह केवल वाराणसी की कहानी नहीं है। यह उस प्रश्न का उत्तर खोजने का प्रयास भी है कि क्या कोई पांच हजार वर्ष पुराना शहर अपनी आत्मा को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक भी बन सकता है?

अभी तक बनारस का पूरा यातायात एक ही स्तर पर चलता था। वही सड़क अद्भुत भी इस्तेमाल करता था, स्थानीय नागरिक भी, ट्रक भी और पर्यटक भी। नई परियोजनाओं के बाद पहली बार लंबी दूरी का यातायात एलिवेटेड कॉरिडोर पर चलेगा, जबकि शहर का स्थानीय जीवन नीचे अपनी स्वाभाविक गति से चलता रहेगा। यही आधुनिक शहरी नियोजन का मूल सिद्धांत है। दुनिया में कई शहरों के पास शहरदार सड़कें हैं। दुबई के पास बहुस्तरीय एक्सप्रेसवे हैं। सिंगापुर के पास स्मार्ट ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। टोक्यो के पास विशाल एलिवेटेड नेटवर्क है। मुंबई के पास कोस्टल रोड और अटल सेतु है। दिल्ली के पास एक्सप्रेसवे का जाल



है। लेकिन विश्व के सबसे प्राचीन जीवंत धार्मिक नगरों में से एक के भीतर, दो नदियों के समानांतर लगभग 90 किलोमीटर का

काशी को लेकर वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो 'क्योटो विजन' रखा था, वह लंबे समय तक राजनीतिक बहस का विषय बना रहा। एक दशक बाद अब यह अवधारणा कागज से निकलकर शहर के भूगोल पर उतरती दिखाई दे रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल से स्वीकृत गंगा और वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर केवल दो सड़क परियोजनाएं नहीं, बल्कि उस व्यापक शहरी दृष्टि का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक नगरी को आधुनिक परिवहन, नियोजित विस्तार और विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी से जोड़ना है। करीब 25,446 करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं के साथ 2014 के बाद वाराणसी में सड़क अवसंरचना पर स्वीकृत निवेश 50 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। सवाल अब केवल यह नहीं कि काशी कितनी बदली है, बल्कि यह है कि क्या दुनिया की सबसे प्राचीन जीवंत नगरी विरासत और आधुनिकता के संतुलन का नया वैश्विक मॉडल बनने की ओर बढ़ रही है? यही इस विकास यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण और दूरगामी पहलू है

एलिवेटेड नेटवर्क विकसित करने का उदाहरण अत्यंत दुर्लभ है। यही कारण है कि यह परियोजना केवल सड़क निर्माण नहीं, बल्कि हेरिटेज इंजीनियरिंग का उदाहरण बन सकती है। वाराणसी की सबसे बड़ी समस्या कभी सड़क की चौड़ाई नहीं थी। समस्या यह थी कि हजारों वर्ष पुराने शहर में आधुनिक यातायात की मांग

का व्यापार भी तेजी से बढ़ रहा है। यदि इसी गति से विकास होता रहा और सड़कें पुरानी ही रहतीं, तो अगले दस वर्षों में बनारस का यातायात लगभग ठहर सकता था। यही वह बिंदु है, जहां गंगा और वरुणा कॉरिडोर भविष्य की जरूरतों का उत्तर बनकर सामने आते हैं। 2014 के बाद यदि

कि इन्हीं लाभार्थियों के बीच दोबारा मजबूत पकड़ बनाना चुनावी जीत की कुंजी होगी। दूसरी ओर विपक्ष पूरी ताकत से भाजपा के खिलाफ नया नैरेटिव तैयार करने में जुटा है। अयोध्या चढ़ावा विवाद, महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक और स्थानीय असंतोष जैसे मुद्दों को लगातार उठाया जा रहा है। हाल के दिनों में लखनऊ, मथुरा और अन्य शहरों में लगे राजनीतिक पोस्टरों ने भी माहौल को और गर्म कर दिया है। एक ओर भाजपा समर्थक खेमे की तरफ से समाजवादी पार्टी पर तीखे राजनीतिक हमले किए जा रहे हैं तो दूसरी ओर सपा इसे असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बता रही है। यानी 2027 की लड़ाई सिर्फ विकास बनाम विकास नहीं होगी बल्कि नैरेटिव, प्रतीक और भावनात्मक मुद्दों की भी होगी।

इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार विकास परियोजनाओं की गति तैयार करने में जुटे हैं। पूर्वांचल, बुंदेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, डिफेंस कॉरिडोर, एयरपोर्ट, मेट्रो और औद्योगिक निवेश परियोजनाओं पर तेजी से काम कराया जा रहा है। फरवरी 2023 में आयोजित रेलोब इन्वेस्टर्स समिट में लगभग 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिलने का दावा किया गया था। सरकार का कहना है कि इनमें से बड़ी संख्या में परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। चुनाव से पहले इन परियोजनाओं का असर दिखाना

काशी की नई उड़ान

केवल सड़क अवसंरचना को देखें तो वाराणसी को रिंग रोड, बाबतपुर फोरलेन, राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, फ्लाईओवर, रेलवे ओवरब्रिज, शहर के प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण, और अब गंगा एवं वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर, मिलाकर 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं मिल चुकी हैं। किसी एक संसदीय क्षेत्र में सड़क अवसंरचना पर इतना निवेश अपने आप में अध्ययन का विषय है।

यह परियोजना केवल इंजीनियरिंग नहीं है। यह राजनीति भी है। मोदी ने लगातार यह संदेश दिया है कि उनके लिए वाराणसी केवल संसदीय क्षेत्र नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन, गंगा और वरुणा के पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा, निर्माण के दौरान यातायात प्रबंधन, और निर्धारित समय में कार्य पूरा करना-ये सभी कसौटियां होंगी। इतिहास गवाह है कि बड़ी परियोजनाओं का मूल्यांकन उनकी घोषणा से नहीं, बल्कि समय पर गुणवत्तापूर्ण निर्माण से होता है। यह निर्धारित समयसीमा के भीतर दोनों परियोजनाएं पूरी हो जाती हैं, तो वर्ष 2030 तक वाराणसी की तस्वीर आज से बिल्कुल अलग होगी। हवाई अड्डे से आने वाला यात्री बिना भीड़भाड़ में फंसे शहर के प्रमुख हिस्सों तक पहुंचेगा। श्रद्धालु धाम तक कम समय में पहुंचेंगे। लॉजिस्टिक्स तेज होगी। नए शहरी क्षेत्र विकसित होंगे। और सबसे महत्वपूर्ण-पुरानी काशी की गलियां अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ जीवित रह सकेंगी। काशी की सबसे बड़ी ताकत उसका अतीत है। लेकिन केवल अतीत के सहारे कोई शहर भविष्य नहीं बनाता। भविष्य तब बनता है जब विरासत और विकास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी बन जाएं। गंगा और वरुणा के ऊपर बनने वाले एलिवेटेड कॉरिडोरों को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। शायद इसलिए 2014 में बोया गया 'क्योटो विजन' का बीज अब केवल एक राजनीतिक नारा नहीं रह गया है। वह धीरे-धीरे कंक्रीट, स्टील, पुलों, इंटरचेंजों और आधुनिक शहरी नियोजन के रूप में आकार ले रहा है। और यदि यह प्रयोग सफल हुआ, तो आने वाले वर्षों में काशी केवल भारत की आध्यात्मिक राजधानी नहीं रहेगी; वह दुनिया के सामने यह उदाहरण भी पेश करेगी कि विरासत को बचाते हुए विकास की रफ्तार कैसे पकड़ी जाती है।



-संजय सक्सेना

सूची में शामिल है, जिसने यूसीसी विधेयक पारित किया है। उत्तर प्रदेश के संदर्भ में, राज्य सरकार ने कई बार यूसीसी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है, और राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि उत्तर प्रदेश भी उत्तराखंड की तर्ज पर इस दिशा में कदम उठा सकता है, हालांकि अभी वहां कोई अंतिम ड्राफ्ट कानून का रूप नहीं ले पाया है। सबसे पहले उत्तराखंड में यूसीसी लागू होने के बाद, वहां

नागरिक मामलों में एक नई कानूनी व्यवस्था बनी है। इसके प्रभाव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हैं। समर्थकों का मानना ​​है कि इससे लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा, विशेषकर विरासत और संपत्ति के अधिकारों में महिलाओं को पुरुषों के बराबर हक मिलेगा। कानूनी प्रक्रियाओं का सरलीकरण और धर्म-अंधाधरित पर्सनल लॉ की जगह एक साझा कानूनी उपस्थिति को सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम बताया जा रहा है। दूसरी ओर, लिव-इन रिलेशनशिप के अनिवार्य पंजीकरण और उससे जुड़े नियमों पर बहस भी जारी है। आलोचकों का तर्क है कि इससे व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता प्रभावित हो सकती है। जहां तक ​​यूसीसी के उल्लंघन के लिए किसी कार्रवाई का प्रश्न है, चूंकि यह कानून अभी बहुत नया है और इसके कार्यान्वयन की प्रक्रिया चल

रही है, इसलिए इसके तहत दंड या सख्त कानूनी कार्रवाई की व्यापक खबरें अभी शुरुआती दौर में ही हैं। अधिकांश ध्यान अभी कानूनों को समझने और उनके पंजीकरण पर केंद्रित है। भारतीय जनता पार्टी यूसीसी को अपने मुख्य एजेंडे में रखती आ रही है। पार्टी का मानना ​​है कि यह देश में एकरूपता, लैंगिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के लिए आवश्यक है। मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में भाजपा का प्रयास इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इसके उलट, कांग्रेस का और, लिव-इन रिलेशनशिप के अतिवाच्य का रहा है। पार्टी अक्सर यह तर्क देती है कि भाजपा सरकार बेरोजगारी और महंगाई जैसे मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसे विषयों को आगे लाती है। कांग्रेस का कहना है कि किसी भी कानून को लाने से पहले व्यापक विमर्श और आम सहमति जरूरी है। वहीं,

समाजवादी पार्टी के नेताओं ने इसे अक्सर एक विवादस्पद मुद्दा माना है। सपा का कहना है कि वे बराबरी के पक्षधर हैं, लेकिन उनकी चिंता यह रहती है कि क्या यह कानून किसी विशेष समुदाय को निशाना बनाने के लिए तो नहीं लाया जा रहा है। पार्टी विविधता के संरक्षण की बात पर जोर देती है। उधर, बसपा यूसीसी पर बहुत मुखर होने के बजाय सतर्क रुख अपनाये हुए है, और उसने अमातर पर यह मांग की है कि किसी भी ऐसे कानून को लागू करने से पहले सभी वर्गों, खासकर दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। कुल मिलाकर, भारत में यूसीसी का सफर एक जटिल सामाजिक और संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसमें एक ओर कानूनी एकरूपता का सपना है, तो दूसरी ओर भारत की विविध सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने की चुनौती भी मौजूद है।



मनसे ने बोर्डिसर पूर्व की बिजली समस्याओं को लेकर एमएसईबी को दिया अल्टीमेटम



पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोर्डिसर शहर (पूर्व) क्षेत्र में लगातार बिगड़ती बिजली व्यवस्था को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (एमएसईबी) के अधिकारियों से मुलाकात कर तत्काल समाधान की मांग की है। मनसे पालघर उपतालुका अध्यक्ष सत्यम मिथिलेश मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कार्यकारी अभियंता से भेंट कर क्षेत्र की गंभीर समस्याओं से अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बोर्डिसर (पूर्व) में बार-बार बिजली गुल होना, लो-वोल्टेज और हाई-वोल्टेज की समस्या तथा अनियमित विद्युत आपूर्ति के कारण आम नागरिकों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने इन समस्याओं का स्थायी समाधान करने की मांग की।

इस दौरान साईनगर क्षेत्र में जर्जर व खतरनाक स्थिति में खड़े सीमेंट के बिजली खंभों को तत्काल बदलने की भी मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि इन खंभों से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, इसलिए बिजली विभाग को बिना देरी किये आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए। मनसे ने एमएसईबी अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 5 अगस्त 2026 तक बोर्डिसर (पूर्व) की बिजली समस्याओं तथा साईनगर के जर्जर बिजली खंभों का समाधान नहीं किया गया, तो स्थानीय नागरिकों के साथ एमएसईबी कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। संगठन ने स्पष्ट किया कि आंदोलन के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की पूरी जिम्मेदारी एमएसईबी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर मनसे पालघर उपतालुका अध्यक्ष सत्यम मिथिलेश मिश्रा, प्रक्रार खुशाल जैन, महाराष्ट्र सैनिक वसंत रमेश थारसे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डॉबिवली में जनार्दन म्हात्रे दंपति का सम्मान, 40 वर्षों की धार्मिक व सामाजिक सेवा को मिला गौरव



चेतन निर्मल/डॉबिवली (उत्तरशक्ति)। होटल मातोश्री एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड एवं श्री महागणपति यक्षगान मंडली (रंजि.), मंदारती-उडुपी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार, 15 जुलाई को डॉबिवली (पूर्व) स्थित मातोश्री बैंकवेट होल में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर लोकप्रिय समाजसेवी एवं पूर्व नगरसेवक जनार्दनजी महादेव म्हात्रे तथा उनकी पत्नी, पूर्व महिला अध्यक्ष बानुबाई जनार्दन म्हात्रे को उनके चार दशक से अधिक समय से किए जा रहे धार्मिक और सामाजिक योगदान के लिए सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान-पत्र में उल्लेख किया गया कि जनार्दन म्हात्रे दंपति ने वर्ष 1987 में कल्याण क्षेत्र के चिंचपाड़ा क्षेत्र में जय श्रीकृष्ण भगवान मंदिर की स्थापना की थी। तब से लेकर आज तक दोनों दंपति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ मंदिर की सेवा, भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति तथा समाजसेवा में निरंतर सक्रिय हैं। बताया गया कि पिछले 40 वर्षों से मंदिर में विभिन्न धार्मिक उत्सवों, सामाजिक कार्यक्रमों और दहीहांडी सहित अनेक आयोजनों का निस्वार्थ भाव से संचालन किया जा रहा है। हर वर्ष मंदिर के वर्धापन दिवस और दहीहांडी उत्सव पर हजारों श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी स्वयं जनार्दन म्हात्रे दंपति द्वारा किया जाता है। आयोजकों ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में जनार्दन म्हात्रे दंपति का योगदान अनुकरणीय है तथा उनकी सेवाओं ने समाज में एक प्रेरणादायी उदाहरण स्थापित किया है। समारोह में उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए उनके निरंतर समाजसेवा करते रहने की शुभकामनाएं भी दी गईं।

मनपा अस्पतालों में अत्याधुनिक सुविधाओं को मुहैया कराया जाय: बाबूभाई भवानजी

मुंबई। बरसात के इस मौसम में मुंबई में मलेरिया, टायफाइड डेंगू और गैस्ट्रो (पेट की बीमारियाँ) के मामले बढ़ रहे हैं। मनपा स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार जुलाई महीने में डेंगू के मरीजों की संख्या ९०० के ऊपर पहुंच गई है। जुलाई महीने में मलेरिया, डेंगू के मरीज निरन्तर बढ़ते जा रहे हैं। इन बीमारियों की रोकथाम के लिए मुंबई के के.एम., सायन, गोवंदी के शताब्दी, घाटकोपर के राजावाड़ी, चेन्नूर के मां अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को मुहैया कराने की मांग मुंबई के पूर्व उपमहापौर बाबूभाई भवानजी ने की है। उन्होंने इस संदर्भ में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री, मुंबई मनपा आयुक्त का ध्यान आकर्षित कराया है। बता दें कि मनपा द्वारा १५ जुलाई २०२६ को जारी किए गए तुलनात्मक रिपोर्ट के अनुसार डेंगू, मलेरिया के मरीजों की संख्या में भी बढोत्तरी देखी गई है। १४ जुलाई तक मलेरिया के साढ़े तीन हजार के ऊपर मामले आए हैं। जानकारों के मुताबिक मनपा के कीटनाशक विभाग ने मुंबई के विभिन्न इलाकों में मच्छरों के प्रजनन स्थलों का निरीक्षण किया है। इनमें से अनेक स्थानों पर मलेरिया मच्छरों के प्रजनन स्थल पाए गए हैं। इसी तरह मुंबईकरों को अन्य बीमारियों की तरह पेट की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस साल संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ रही है। जिसके कारण मनपा अस्पतालों को मरीजों के इलाज के लिए अभी से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए ऐसी मांग पूर्व उपमहापौर बाबूभाई भवानजी ने की है। भवानजी ने मुंबई मनपा आयुक्त से मांग की है कि मनपा अस्पतालों में डाक्टरों और अन्य कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएं। इसके साथ ही नायर, के. एम, सायन, कूपर और शान्दी अस्पतालों में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को मुहैया कराने का प्रयास करें। मनपा की ओर से बरसात में फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष रूप से ड्रोपइड्रिप्श्यों में युद्ध स्तर पर कोट नाशक दवाओं का छिड़काव शुरू करने का अभियान चलाया जाए।

रोटरी क्लब ऑफ बोर्डिसर-तारापुर का रीगल वर्ष 2026-27 का दमदार आगाज

पालघर(उत्तरशक्ति)। रोटरी क्लब ऑफ बोर्डिसर-तारापुर ने रीगल वर्ष 2026-27 की शुरूआत समाजसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक कल्याण से जुड़ी कई जनहितकारी परियोजनाओं के साथ की है। नव-निर्वाचित अध्यक्ष एवं वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. प्रवीण वैश्य के नेतृत्व में क्लब ने पहले ही महीने में सेवा कार्यों की प्रभावशाली शुरूआत कर क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है।

रीगल वर्ष के पहले दिन 1 जुलाई को आयोजित मेगा रक्तदान शिविर में 97 यूनिट रक्त की है। नव-निर्वाचित अध्यक्ष एवं वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. प्रवीण वैश्य के नेतृत्व में क्लब ने पहले ही महीने में सेवा कार्यों की प्रभावशाली शुरूआत कर क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है।

गागोर्टी म्यूजियम के संस्थापक अध्यक्ष कैसे पांडे सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नवभारत द्वारा नई दिल्ली के हयात रीजेंसी में आयोजित विकसित भारत कार्यक्रम में भारत के एकमात्र रत्न और जीवाश्म संग्रहालय गागोर्टी संग्रहालय के संस्थापक अध्यक्ष कृष्ण चंद्र पांडे का सम्मान किया गया। पुणे सम्मान दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी के हाथों प्रदान किया गया। यह संग्रहालय महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नर में स्थित भारत का पहला और एकमात्र रत्न, खनिज और जीवाश्म संग्रहालय है। इसे दुनिया का सबसे बड़ा निजी खनिज संग्रहालय माना जाता है। इसका उद्घाटन वर्ष अप्रैल, 2001 में अक्षय तृतीया के दिन हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब टाकरे के हाथों किया गया था। भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी कृष्ण चंद्र पांडे (कैसी पांडे) ने की थी, जिन्होंने 40

जरूरतमंद बच्चों को समय पर जीवनरक्षक रक्त मिल सकेगा। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्लब ने रएक पेड़ माँ के नामर अभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू किया है। क्लब सचिव रेखेश जैन तथा यूथ डायरेक्टर एवं पास्ट प्रेसिडेंट डॉ. पराग कुलकर्णी के मार्गदर्शन में आठ विद्यालयों के इंटरैक्ट क्लब के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ 16 जुलाई को यू.एस. ओस्तवाल इंग्लिश अकादमी, बोर्डिसर से हुआ। अभियान का उद्देश्य अधिक के पौधारोपण के साथ युवा पीढ़ी में पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी



वर्षों से अधिक समय तक इन दुर्लभ नमूनों को एकत्र किया। यहाँ दुनिया भर से और विशेष रूप से महाराष्ट्र के दक्कन के पठार से लाए गए प्राकृतिक खनिजों, क्रिस्टलों, रत्नों और जीवाश्मों का एक विशाल संग्रह है। यह संग्रहालय अपने शानदार जियोलाइट्स के लिए प्रसिद्ध है, जो अलौकिक रंग और नाजुक संरचना वाले सिलिकेट खनिज होते हैं। यह संग्रहालय नासिक रेलवे स्टेशन से 17 किलोमीटर, मुंबई से 180 किलोमीटर और पुणे से 190 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

आशीर्वाद गीतगंगागजल सागर समारोह सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज के समय में ऐसे साहित्यिक और सांस्कृतिक आयोजन विरले मिलते हैं जहाँ गंभीर साहित्यिक गोष्ठियों और उच्चस्तरीय कवि सम्मेलन हो, वहीं आशीर्वाद संस्था द्वारा आयोजित रंगीत गंगा गजल सागरर ने साहित्य, संगीत और संस्कृति का एक अविस्मरणीय संगम प्रस्तुत किया। यह उद्गर साझा किये सुप्रसिद्ध भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा जी ने जो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर, कवि दास नारायण अग्रवाल की कृति रकृष्ण पदर का भव्य लोकार्पण हुआ। पुस्तक के अनावरण के साथ ही कृष्ण भक्ति पर सारगांधित विचारों का आदान-प्रदान किया गया प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, विरेन्द्र याज्ञिक, नेशनल एक्प्रेस के



संस्थापक विपिन गुप्ता ने, जिन्होंने कार्यक्रम में गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर आशीर्वाद के अध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल एवं सुभाष अग्रवाल ने अनूप जलोटा को आशीर्वाद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया सुधिनजों के बीच, जिसमें सूफी गायिका कविता सेठ ने भजन गाकर सबका दिल जीत लिया, साथी अरुण बख्शी ने भी अपनी गायकी से समां बांध दिया।

कार्यक्रम का सबसे भावपूर्ण क्षण तब आया जब भजन सम्राट अनूप जलोटा ने बिना किसी वाद्य-संगत के, केवल अपनी मधुर और सधी हुई आवाज में तरन्गुम के साथ, अनेक लोकप्रिय भजन प्रस्तुत किए। प्रतिष्ठित कवियों और

शावरों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का पाठ किया जिनमें थे देवमणि पांडेय, महेश दुबे, नारायण अग्रवाल, ओबेद आजम आजमी, नवीन चतुर्वेदी, अर्चना जोषी, डॉ शैलेश श्रुवास्तव, रजिया रागिनी व विनोद दुबे, रवि यादव, विरल अक्स । शायराना अंदाज में कुमार जैन ने कार्यक्रम का बहुत ही सुंदर संचालन किया।

मतदाता सूची में नाम जांचने और सत्यापन के लिए विशेष शिविर आज



दर्ज नहीं है, तो उसे अपने माता-पिता अथवा दादा-दादी से संबंधित आवश्यक जानकारी और दस्तावेज अपने संबंधित बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) के पास जमा करने होंगे। नागरिक एडम्प्टरूप पेप के माध्यम से भी मतदाता सूची में अपना नाम जांच कर सकते हैं और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। नागरिकों की

सुविधा के लिए आयोजित इस शिविर में मतदाता पंजीकरण, नाम सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। मंडल की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि वे शिविर में आते समय आवश्यक दस्तावेज अपने साथ अवश्य लेकर आएँ और इस विशेष अभियान का अधिकाधिक लाभ उठाएँ। कार्यक्रम के आयोजन में मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे, मंडल महासचिव संजय साल्वे तथा मंडल युवा अध्यक्ष मंगेश मुले का मार्गदर्शन रहेगा। आपका वोट ही लोकतंत्र की ताकत है। प्रत्येक पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचे और अन्य लोगों को भी इस अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।



उठाकर विकास के नए अवसरों को साकार करें और भारतीय वस्त्र क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को और मजबूत बनाएँ। CMAI के अध्यक्ष संतोष कटारिया ने कहा, भारत ने एक प्रमुख 'निर्माण' गंतव्य (मैनुफैक्चरिंग डेस्टिनेशन) के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। हमारी विकास यात्रा का अगला चरण इस बात पर निर्भर करेगा कि हम श्राहकों और वैश्विक ब्रांडों के लिए अधिक मूल्य सृजित करने वाली क्षमताओं का कितनी सफलतापूर्वक निर्माण करते हैं। इंडिया टेक्सटाइल्स एंड एम्पैगल ने उद्देश्य उद्योग जगत के लीडर्स को नवाचार, सहयोग, स्थिरता और प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से

रक्तदान, वृक्षारोपण व टीबी मरीजों के पोषण अभियान से पेश की जनसेवा की मिसाल



क्लब ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए 14 जुलाई को प्रधानमंत्री निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत टीबी मरीजों के लिए न्यूट्रिशन फूड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। टीबी स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 33 टीबी

मरीजों को पौष्टिक खाद्य सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में टीबी हेल्थ अधिकारी विश्वास राउत के साथ पास्ट प्रेसिडेंट डॉ. पराग कुलकर्णी, राम नारायण गोयल और विनायक पदमवार ने प्रमुख भूमिका निभाई। इस अवसर पर संदीप राजूत,

वैशाली शिंदे, स्वामीनाथ पाण्डेय, विलास शाहपुरे, एस. नागराजन तथा रो. मुकेश भाटिया सहित बड़ी संख्या में क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

इसी दिन आयोजित रीगल बोर्डिसर-तारापुर की रीगल क्लब बैठक में अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य ने



असद रिजवी, कर्नल दयाशंकर दुबे, भाजपा नेता शिवप्रकाश मिश्र सेनानी, उद्योगपति मुरलीधर आहूजा ने सुरेश मिश्र की दो पुस्तकों, 'डमरू शतक' और 'दोहे श्रृंगार के' का विमोचन किया। देशभारती इंटर कॉलेज के संस्थापक पंडित वेदव्रत वाजपेई के जन्म दिवस को गुरु पर्व के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर संयोजक मनुव्रत वाजपेई के संचालन में एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हास्य कवि सुरेश मिश्र, वेदव्रत वाजपेई, श्रीमती व्यंजना शुक्ला, सोनी शुक्ला क्रांति व आलोक तिवारी ने काव्य पाठ किया। प्राचार्य जयव्रत वाजपेई ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत

किया। इस अवसर पर रेड जैसी अनेक फिल्मों में अभिनय कर चुकीं श्रीमती साधना वाजपेई, आचार्य राजा अवस्थी, वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी द्वय एस के द्विवेदी, सी पी तिवारी, मूलचंद वाजपेई, राजेश अवस्थी, राकेश दीक्षित, राष्ट्रीय कृषक दल के प्रमुख सरोज दीक्षित, प्रकाशक प्रशांत श्रीवास्तव, पार्षद रेखा सिंह, अजय दीक्षित, के. के.

शुक्ल, अरविंद मिश्र, राजू पंडित, प्रतिमा मिश्रा, अजय शुक्ला, मो. नईम, राजेंद्र कात्यायन, वाहिद अली वाहिद, रेखा मिश्रा, सुशीला परिहार, संतोष सिंह जैसे गणमान्य सहित हजारों साहित्य रसिक, विधायक, प्रक्रार, शिक्षक, विद्यार्थी तथा उनके पालक उपस्थित थे।

प्रतिष्ठित महाकवि बाण पुरस्कार से सम्मानित हुए हास्य कवि सुरेश मिश्र

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी साहित्य जगत के लिए गौरवपूर्ण क्षण उस समय बना जब देश की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'महाकवि बाण प्रतिष्ठान' द्वारा विख्यात हास्य कवि सुरेश मिश्र को उनकी चर्चित कृति 'डमरू शतक' के लिए वर्ष 2026 का प्रतिष्ठित 'महाकवि बाण पुरस्कार' प्रदान किया गया। यह सम्मान उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम स्थित देशभारती इंटर कॉलेज के 'बाण सभागा' में आयोजित भव्य समारोह में लखनऊ की प्रथम नागरिक एवं महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल के करकर्मलों से प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार महाकवि पंडित छैलबिहारी 'बाण' की स्मृति में साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले रचनाकारों को प्रदान किया जाता है। सम्मान के अंतर्गत सुरेश मिश्र की स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र तथा 51 हजार रुपये की सम्मान राशि भेंट की गई।

विशेष उल्लेखनीय है कि 'डमरू शतक' हिंदी साहित्य इतिहास में डमरू छंद पर आधारित प्रथम पुस्तक मानी जा रही है। इस अभिनव कृति ने साहित्य जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है और छंद साहित्य को नई दिशा प्रदान की है। पुरस्कार मिलने के बाद साहित्यकारों एवं पाठकों ने सुरेश मिश्र को 'डमरू शतक' की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों से आह्वान किया कि वे रिपोर्ट में दिए गए व्यावहारिक सुझावों का लाभ



विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल के साथ महाकवि बाण प्रतिष्ठान के प्रमुख वेदव्रत वाजपेई, मन्हेरा (हरदोई) के राजा कुंवर वीरेंद्र सिंह, नवाब खानदान के नवाब सैयद असद रिजवी, कर्नल दयाशंकर दुबे, भाजपा नेता शिवप्रकाश मिश्र सेनानी तथा उद्योगपति मुरलीधर आहूजा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देशभारती इंटर कॉलेज के संस्थापक पंडित वेदव्रत वाजपेई का जन्मदिवस 'गुरु पर्व' के रूप में अत्यंत श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया।

समारोह का संचालन प्रतिष्ठान के संयोजक मनुव्रत वाजपेई ने किया, जबकि कॉलेज के प्राचार्य जयव्रत वाजपेई ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय कवि यादगार बना दिया। देश के विभिन्न

हिस्सों से आये कवियों ने अपनी प्रभावशाली रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सम्मेलन में हास्य कवि सुरेश मिश्र, वेदव्रत वाजपेई, व्यंजना शुक्ला, सोनी शुक्ला क्रांति तथा आलोक तिवारी ने अपनी रचनाओं से साहित्य प्रेमियों की खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम में अभिनेत्री साधना सुशीला एवं सी.पी. तिवारी, मूलचंद वाजपेई, राजेश अवस्थी, राकेश दीक्षित, राष्ट्रीय कृषक दल के प्रमुख सरोज दीक्षित, प्रकाशक प्रशांत श्रीवास्तव, पार्षद रेखा सिंह, अजय दीक्षित, के.के. शुक्ल, अरविंद मिश्र, राजू पंडित, प्रतिमा मिश्रा, अजय शुक्ला, मो. नईम, राजेंद्र कात्यायन, वाहिद अली वाहिद, रेखा मिश्रा, सुशीला परिहार, संतोष सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

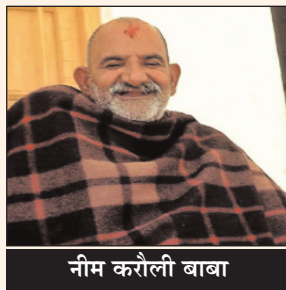
कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने जारी की 'इंडिया टेक्सटाइल्स ब्लूप्रिंट 2030' रिपोर्ट

मुंबई। भारत सरकार के कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने क्लोदिंग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और ग्लोबल अलायंस फॉर टेक्सटाइल सस्टेनेबिलिटी द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट 'इंडिया टेक्सटाइल्स एंड अपरेल CXO ब्लूप्रिंट 2030' जारी की। इस अवसर पर श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत टेक्स के दौरान वैश्विक खरीदारों की उपस्थिति में इस रिपोर्ट का जारी होना बिल्कुल उपयुक्त समय पर हुआ है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में प्रस्तुत निष्कर्षों भारत के वस्त्र इकोसिस्टम के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों से आह्वान किया कि वे रिपोर्ट में दिए गए व्यावहारिक सुझावों का लाभ

उठाकर विकास के नए अवसरों को साकार करें और भारतीय वस्त्र क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को और मजबूत बनाएँ। CMAI के अध्यक्ष संतोष कटारिया ने कहा, भारत ने एक प्रमुख 'निर्माण' गंतव्य (मैनुफैक्चरिंग डेस्टिनेशन) के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। हमारी विकास यात्रा का अगला चरण इस बात पर निर्भर करेगा कि हम श्राहकों और वैश्विक ब्रांडों के लिए अधिक मूल्य सृजित करने वाली क्षमताओं का कितनी सफलतापूर्वक निर्माण करते हैं। इंडिया टेक्सटाइल्स एंड एम्पैगल ने उद्देश्य उद्योग जगत के लीडर्स को नवाचार, सहयोग, स्थिरता और प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से

प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत करने के लिए एक व्यावहारिक रोडमैप उपलब्ध कराना है।

हमारा सामूहिक लक्ष्य भारतीय उद्यमों को केवल बड़े पैमाने पर उत्पादन तक सीमित न रखते हुए विश्वस्तरीय वैश्विक सड़क के रूप में स्थापित करने में मदद करना है।



नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल ऑटफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति

फॅब्रीकेशन अॅण्ड गिलवर्क्स

PRAJAPATI

FABRICATION & GRILL WORKS

MANUFACTURERS OF

COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS, ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR & ALLUMINIUM SLIDING WINDOW

SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST NO. : 27ANKPP6297R1ZP

स्वामी: शारद फागुम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तम मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जबल, गेट क्रमांक 2, गोरोगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रुम नं. 8, ग्रैंड प्लेनर यू समता सहकारी को.ऑ. हॉ. सांसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरगांव (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रेक टर्मिनल, डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटफ हिल, वडाला मुंबई-37, मो.- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सामने चलते ट्रक में लगी भीषण आग, दमकल कर्मियों ने बुझाई आग



शुक्रवार तड़के एक चलते ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही ट्रक चालक में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही अग्निशमन

विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पा लिया।

अग्निशमन विभाग के अनुसार,

साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर देखा गया कि ट्रक संख्या यूपी67 एटी2402 आग की लपटों से घिरा हुआ था।

बताया गया कि ट्रक मध्य प्रदेश के बिंदनगर से कोयले की राख लेकर शाहगंज की ओर जा रहा था, तभी पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सामने अचानक आग लग गई।

दमकल कर्मियों ने मोटर फायर इंजन से पानी की बौछार कर काफी प्रयास के बाद आग को पूरी तरह बुझा दिया। घटना के दौरान स्थानीय पुलिस और पीआरबी टीम भी मौके पर मौजूद रही।

समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से बड़ा हादसा टल गया। हालांकि ट्रक में आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। अग्निशमन विभाग मामले की जांच कर रहा है।

सुबह करीब 5:03 बजे ट्रक में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही एफएसओ जौनपुर नागेंद्र प्रसाद द्विवेदी दो दमकल वाहनों के

नहाते समय गहरे कुंड में डूबा वाराणसी का युवक, मौत

मिजापुर (उत्तरशक्ति)। चुनार कोतवाली क्षेत्र की सक्तेशगढ़ चौकी अंतर्गत प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सिद्धनाथ की दरी में पिकनिक मनाने आए वाराणसी के एक युवक की नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। गुरुवार को गोताखोरों की कड़ी मशकत के बाद शव को बाहर निकाला गया, जिसे पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार वाराणसी निवासी 32 वर्षीय राकेश साहनी 15 जुलाई को अपने दोस्तों के साथ सिद्धनाथ की दरी घूमने आया था। इसी दौरान नहाते समय

अचानक उसका पैर फिसल गया और वह पानी के तेज बहाव वाले गहरे कुंड में जा गिरा। देखते ही देखते वह पानी में समा गया।

साथियों ने काफी खोजबीन की, लेकिन जब युवक का पता नहीं चला

सिद्धनाथ की दरी में हादसा

तो उन्होंने सक्तेशगढ़ चौकी पुलिस को सूचना दी। रात होने के कारण तलाश अभियान रोकना पड़ा। गुरुवार सुबह पुलिस गोताखोरों की टीम के साथ मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद युवक का शव बरामद किया।

घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। शव देखते ही परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने पर्यटकों से की सावधानी बरतने की अपील

चुनार कोतवाली प्रभारी विजय शंकर पटेल ने बताया कि सिद्धनाथ की दरी में डूबने से युवक की मौत हुई है। उन्होंने पर्यटकों से अपील की कि जलप्रपात और गहरे कुंडों में नहाते समय सतर्क रहें तथा जोखिम वाले स्थानों पर जाने से बचें।

दूल्हा हत्याकांड: श्रद्धांजलि देने जा रहे कांग्रेस जिलाध्यक्ष

डॉ.प्रमोद सिंह व शहर अध्यक्ष आरिफ खान हाउस अरेस्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बहुचर्चित दूल्हा हत्याकांड के मृतक आजाद बिंद को श्रद्धांजलि देने उनके घर जाने की सूचना पर पुलिस ने कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह को उनके सुजानगंज स्थित आवास पर हाउस अरेस्ट कर दिया। इस दौरान उनके आवास को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया।

इसी क्रम में शहर कांग्रेस कमेट्री के अध्यक्ष आरिफ खान को भी उनके जौनपुर स्थित आवास पर नजरबंद किया गया। दोनों नेताओं के घरों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस ने कांग्रेस के जिला सचिव



इरशाद खान, रमेश बेबी और कांग्रेस नेता फिरोज खान को भी हाउस अरेस्ट किया।

हाउस अरेस्ट के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला

बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्या, महिलाओं के खिलाफ अपराध और अन्य आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे

नीट यूजी 2026 रिजल्ट जारी: आर्यन गुप्ता और पंशुल बंसल ने मारी बाजी, 715 अंक के साथ बने टॉपर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 का परिणाम जारी हो गया है। इस वर्ष परीक्षा में पंजाब के आर्यन गुप्ता और हरियाणा के पंशुल बंसल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। दोनों अभ्यर्थियों ने 720 में से 715 अंक प्राप्त किए हैं।



बराबर अंक प्राप्त करने के कारण दोनों उम्मीदवार टॉप सूची में रहे। एनटीए द्वारा जारी परिणाम के अनुसार इस बार कई अभ्यर्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है और 19 छात्रों ने 700 से अधिक अंक हासिल किए हैं।

आर्यन गुप्ता और पंशुल बंसल की सफलता ने देशभर के मेडिकल अभ्यर्थियों को प्रेरणा दी है। कड़ी मेहनत, लगन और बेहतर रणनीति के दम पर दोनों ने लाखों छात्रों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। नीट यूजी 2026 टॉपर्स की सफलता से मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने वाले छात्रों में उत्साह का माहौल है।

वोल्टेज और अघोषित बिजली कटौती से किसान परेशान, सिंचाई प्रभावित

24 घंटे में कुछ घंटे ही मिल रही आपूर्ति, मोटर जलने से किसानों को हो रहा आर्थिक नुकसान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से किसान बेहाल हैं। अनियमित विद्युत आपूर्ति के कारण जहां खेतों की सिंचाई प्रभावित हो रही है, वहीं कम वोल्टेज से विद्युत मोटर खराब होने से किसानों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।

नदौली सहित आसपास के गांवों के किसानों का आरोप है कि 24 घंटे में महज कुछ घंटे ही बिजली मिल पा रही है। बिजली आपूर्ति का कोई निश्चित समय नहीं है और जब बिजली आती भी है तो लो वोल्टेज के कारण उसका सही उपयोग नहीं हो पाता।

किसानों ने बताया कि 5 हॉर्स पावर की मोटर चलाने के लिए पर्याप्त वोल्टेज की जरूरत होती है, लेकिन वर्तमान में काफी कम वोल्टेज मिलने से मोटरें नहीं चल पा रही हैं और कई मोटरें खराब हो चुकी हैं। इससे खेतों में खड़ी फसल की सिंचाई प्रभावित होकर सूखने की स्थिति में पहुंच रही है।

अकबरपुर, सरकी, कुसइला, नदौली समेत कई गांवों के किसानों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए जिला प्रशासन से तत्काल समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

किसानों का कहना है कि बिजली आपूर्ति में सुधार, लो वोल्टेज की समस्या का समाधान और जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं हुई तो उन्हें आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। अब किसानों की निगाहें विद्युत विभाग और जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।



दबाव और अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए कांग्रेस नेताओं को नजरबंद कर रही है।

उन्होंने भाजपा सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश की जनता अब सरकार की नीतियों से परेशान हो चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी। हालांकि, पुलिस प्रशासन की ओर से इस कार्रवाई के संबंध में आधिकारिक कारण या बयान सामने नहीं आया है।

उन्होंने भाजपा सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश की जनता अब सरकार की नीतियों से परेशान हो चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी। हालांकि, पुलिस प्रशासन की ओर से इस कार्रवाई के संबंध में आधिकारिक कारण या बयान सामने नहीं आया है।

प्रधानमंत्री से जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवन बचाने की अपील, बोले मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीडीए भवन, कटघरा से शुक्रवार को जारी एक प्रेस वार्ता में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक तथा अम्बेडकर विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अरशद खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने की प्रस्तावित कार्रवाई में हस्तक्षेप करने की अपील की है।

अरशद खान ने कहा कि जौहर विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य, शिक्षा और सामाजिक प्रगति का केंद्र है। ऐसे संस्थानों को संरक्षित और सशक्त किया जाना चाहिए ताकि देश में शिक्षा का विस्तार हो और युवाओं को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिल सकें।

उन्होंने कहा कि यदि

विश्वविद्यालय से जुड़े किसी प्रकार के कानूनी या प्रशासनिक विवाद हैं, तो उनका समाधान न्यायिक एवं



संवैधानिक प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए। शिक्षा संस्थानों को नुकसान पहुंचाने के बजाय ऐसा समाधान निकाला जाए जिससे

विद्यार्थियों और शिक्षा व्यवस्था के हित सुरक्षित रहें।

अरशद खान ने केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि जौहर विश्वविद्यालय के मामले में ऐसा संतुलित समाधान निकाला जाए, जिससे कानून का सम्मान भी बना रहे और शिक्षा के क्षेत्र को भी कोई क्षति न पहुंचे।

उन्होंने देश के शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों से भी शिक्षा संस्थानों के संरक्षण के पक्ष में सकारात्मक पहल करने की अपील की। अपने बयान में उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विषय की गंभीरता को देखते हुए संवेदनशीलता के साथ विचार करेंगे और ऐसा निर्णय सुनिश्चित करेंगे जिससे विद्यार्थियों, शिक्षा व्यवस्था और जनहित की रक्षा हो सके।

नीट-2026 में एपीएस रेजिडेंशियल अकादमी के छात्रों का जलवा, शानदार रैंक से बढ़ाया आजमगढ़ का मान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। APS रेजिडेंशियल अकादमी (APSRA) के विद्यार्थियों ने NEET-2026 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान और जनपद का गौरव बढ़ाया है। निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित वातावरण और बेहतर शिक्षण व्यवस्था के दम पर अकादमी के कई विद्यार्थियों ने ऑल इंडिया स्तर पर शानदार रैंक हासिल की है। अकादमी के छात्र मोहम्मद रमीज ने 649 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 1544 हासिल की, जबकि अदीब हामिद ने 626 अंक के साथ AIR 4091 प्राप्त किया। वहीं मुस्कान ने 482 अंक हासिल कर रउ श्रेणी में अम्क 5387 प्राप्त कर सफलता दर्ज की।

इसके अलावा जैनब बानो (560 अंक, AIR 29784), नशरा अब्दुल्ला (558 अंक, AIR 31125), अदनान खान (554 अंक, AIR 34128), इकरा रहमान (550 अंक, AIR 37536) और मुजाहिद खान (549 अंक, AIR 38049) ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों की इस सफलता पर अकादमी के चेयरमैन एवं एमएलसी शाह आलम (गुड्डू जगाली) ने सभी सफल छात्रों, उनके अभिभावकों



विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा, अनुशासन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उन्हें सफलता की राह दिखाया है। उन्होंने कहा कि छात्रों की यह उपलब्धि उनकी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। साथ ही उन्होंने असफल विद्यार्थियों को निराश न होकर

अकादमी के प्रबंधक एवं सचिव सीए मोहम्मद नोमान और निदेशक डॉ. गयास असद खान ने भी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि ये विद्यार्थी आगे चलकर चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर संस्थान और देश का नाम रोशन करेंगे।

नीट-2026 में सफलता न मिलने से छात्रा ने उठाया खौफनाक कदम, घर में फांसी लगाकर दी जान

जौशन अहमद खान आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-2026 में सफलता नहीं मिलने से आहत एक छात्रा ने शुक्रवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, शाहर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन स्थित कोईरी पोखरा निवासी संजय यादव की 18 वर्षीय पुत्री सृष्टि यादव मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर

रही थी। उसने इस वर्ष आयोजित नीट-2026 की परीक्षा दी थी, लेकिन गुरुवार को घोषित परिणाम में उसे सफलता नहीं मिल सकी। बताया जा रहा है कि परीक्षा परिणाम आने के बाद सृष्टि काफी निराश थी। शुक्रवार दोपहर परिवार के सदस्य अपने-अपने काम में व्यस्त थे। इसी दौरान वह अपने कमरे में चली गई। काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई।

जब परिजनों ने कमरे का दरवाजा खोला तो सृष्टि फंदे से लटक मिली। परिजन आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले जाने की तैयारी करने लगे, लेकिन

तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर पहुंची शहर कोतवाली पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

परीक्षा परिणाम के दबाव में बढ रही चिंता- प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम आने के बाद कई छात्र मानसिक तनाव का सामना करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि असफलता को जीवन का अंत नहीं मानना चाहिए और छात्रों को कठिने परिस्थितियों में परिवार व शिक्षकों से बातचीत करना चाहिए।

जौनपुर में बीएसए का ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण, लापरवाही पर प्रधानाध्यापक का वेतन रोका

कई विद्यालयों की व्यवस्थाओं की सराहना, कम उपस्थिति और कमजोर शिक्षण स्तर पर सख्त निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) समीर ने शुक्रवार को जनपद के मुफ्तीगंज, केराकत और डोभी विकासखंड के आधा दर्जन से अधिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्र उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था, मध्याह्न भोजन, डीबीटी, कंपोजिट ग्रांट और विद्यालयों की स्वच्छता का गहन जायजा लिया गया। कई विद्यालयों में व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलने पर शिक्षकों की सराहना की गई, जबकि लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई भी की गई।

निरीक्षण की शुरूआत प्राथमिक विद्यालय ओझैनिया (मुफ्तीगंज) से हुई, जहां बीएसए पर प्राथना सभा में भाग लेकर बच्चों को नियमित उपस्थिति और अनुशासन का संदेश दिया। विद्यालय में सभी शिक्षक उपस्थित मिले तथा शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

इसके बाद पूर्व माध्यमिक विद्यालय तरियाही, केराकत में स्मार्ट क्लास, बच्चों का बेहतर अधिगम स्तर और स्वच्छ वातावरण देखकर बीएसए ने प्रधानाध्यापक एवं पूरे

स्टाफ की प्रशंसा की। वहीं पूर्व माध्यमिक विद्यालय घुरहरी और प्राथमिक विद्यालय सरायवीरू में छात्र नामांकन बढ़ाने तथा स्कूल



चलो अभियान को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

प्राथमिक विद्यालय चौरा में छात्रों का अधिगम स्तर अपेक्षा से कमजोर मिलने पर बीएसए ने शिक्षकों को शिक्षण कार्य में सुधार करने, नियमित अभ्यास कराने और कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने की चेतावनी दी।

निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ी कार्रवाई विकासखंड डोभी के कंपोजिट विद्यालय कृपा में हुई। यहां 130 नामांकित छात्रों के सापेक्ष केवल 59 छात्र उपस्थित पाए गए। छात्र उपस्थिति अत्यंत कम होने और

कार्य में लापरवाही मिलने पर बीएसए ने प्रभारी प्रधानाध्यापक का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश दिए। साथ ही अन्य कर्मचारियों को

कारण बताओ नोटिस जारी कर सटीकरण तलब किया। दौरे के अंतिम चरण में प्राथमिक विद्यालय ककरापुरा, प्राथमिक विद्यालय चंदवक, पीएम श्री विद्यालय महादेवा तथा जुनियर हाई स्कूल महादेवा में निरीक्षण किया गया। यहां सभी कर्मचारों उपस्थित मिले। बीएसए ने शिक्षकों को 'स्कूल चलो अभियान' के दूसरे चरण को सफल बनाने हुए शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने तथा सभी शासकीय योजनाओं को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

इंदौर इस्कॉन मंदिर द्वारा भगवान जगन्नाथ रथयात्रा अन्नपूर्णा मंदिर से प्रस्थान करल



प्रणित नरेंद्र तिवारी इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर में स्थित इस्कॉन मंदिर निपानिया क्षेत्र में है, जो अपनी भव्यता और जयपुर से लाई गई गोविन्द जी की प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है। 'अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ' की स्थापना सन् 1966 में न्यूयॉर्क में श्रील प्रभुपाद द्वारा की गई थी। यह संस्था दुनिया भर में कृष्ण भक्ति और भगवद गीता का प्रसार करती है। इंदौर (निपानिया) स्थित इस्कॉन (कसडउडट) मंदिर के अध्यक्ष एच.जी. महामन प्रभु ने बताया कि दिनांक 19 जुलाई 2026 दिन रविवार को भगवान जगन्नाथा का भव्य रथयात्रा दिनांक 19जुलाई 2026 दिवस रविवार को अन्नपूर्णा मंदिर से प्रारंभ होकर पंडित नरेन्द्र तिवारी मार्ग होते हुए रणजीत हनुमान मंदिर से गढ़ नाका, छत्रीपुरा, बियाबानी , मालगंज चौराहा, महारंगज टोरी कॉर्नर, गोरा कुंड, चित्रा बाजार होते हुए राजावाड़ा गोपाल मंदिर पर समाप्त होगी। वहां पर महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। पूज्य प्रभु ने बताया कि इस्कॉन मंदिर का 60वां स्थापना दिवस के शूभ अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है।

गैंगस्टर एक्ट में गैंग लीडर दीपू रावत को 2 साल की सजा, 5 हजार रुपये जुमाना

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट सोनभद्र की अदालत ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए गैंग लीडर दीपू रावत को दोषी करार दिया। न्यायालय ने उसे 2 वर्ष के कारावास और 5 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। जुमाना अदा न करने पर दोषी को एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई गई अवधि को सजा में समाहित किया जाएगा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, अनपरा थाने में 10 अक्टूबर 2024 को गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोप लगाया था कि दीपू रावत निवासी कौव्वानाला, थाना अनपरा, सोनभद्र एक सक्रिय गैंग का लीडर है और उसका गैंग चोरी, धोखाधड़ी व आर्म्स एक्ट जैसे मामलों में संलिप्त रहा है। पुलिस जांच में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद विवेचक ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने गवाहों के बयान, दस्तावेजों और दोनों पक्षों की दलीलों का अवलोकन करने के बाद दीपू रावत को दोषी पाया। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी अधिवक्ता धर्नंजय शुक्ला ने पैरवी की। अदालत के इस फैसले के बाद गैंगस्टर एक्ट के दोषी को जेल भेज दिया गया।

आईएसडब्ल्यूआई ने कहा, भारत-यूके एफटीए ने महाराष्ट्र के प्रीमियम एल्कोबेव मार्केट को मजबूत किया

मुंबई। भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने और एल्कोहोलिक बेवरेज (एल्कोबेव) सेक्टर के लिए ज्यादा संतुलित प्रेमवर्क बनाने की दिशा में उल्लेखनीय पड़ाव है। समझौते के तहत यूके ब्रिस्क्री और जिन पर कुल सीमा शुल्क (कस्टम्स ड्यूटी) 150 से 75 प्रतिशत हो जाएगा और अगले दशक में धीरे-धीरे घटकर 40 प्रतिशत पर आ जाएगा। एक बार यह समझौता लागू हो जाने के बाद इससे निवेश आने तथा प्रीमियम मार्केट, उपभोक्ताओं के पास विकल्प और लंबी अवधि में रेवेन्यू बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बाजार बनने के भारत के लक्ष्य को भी इससे समर्थन मिलेगा।

भारत-यूके एफटीए के बारे में आईएसडब्ल्यूआई के सीईओ संजीत पाधी ने कहा, ह्यभारतद्वयूके मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल शुल्क (टैरिफ) में कटौती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक रणनीतिक अवसर है। इसलिए नीतिगत फैसलों का केंद्र सभी हितधारकों, विशेषकर उपभोक्ताओं को मिलने वाला व्यापक आर्थिक लाभ होना चाहिए। यह समझौता तीन प्रमुख फायदे लेकर आता है—उपभोक्ताओं की अधिक विकल्प मिलेंगे, जिससे उन्हें दुनिया के प्रीमियम ब्रांडों तक बेहतर पहुंच मिलेगी; घरेलू उत्पादकों के लिए बल्क स्कॉच की उपलब्धता आसान होगी और उपभोक्ताओं को कीमतों में राहत मिलेगी। ये सभी परिणाम मिलकर भारत के तेजी से बढ़ते एल्कोबेव क्षेत्र के लिए कंज्यूमर-फर्स्ट और गुणवत्ता-आधारित दृष्टिकोण को मजबूती देने वाले हैं। महाराष्ट्र का उदाहरण लेते हुए अगर भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से रिटेल कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव की बात करें तो टैरिफ में कमी का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को देने पर कीमतों में लगभग 12-13 प्रतिशत तक की कमी आने की संभावना है। संजीत पाधी ने कहा, भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय निमाताओं के लिए एक अनूठा अवसर लेकर आया है। इससे वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर बना सकते हैं, कच्चे माल की लागत को कम कर सकते हैं और घरेलू के साथ-साथ निर्यात बाजारों में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ा सकते हैं।

दुद्री में नवागत एसडीएम रवि कुमार पासवान और एसडीएम न्यायिक अशोक कुमार गुप्ता ने संभाला कार्यभार



दुद्री, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा एक गैर प्शासनिक फेरबदल के बाद दुद्री तहसील को दो नए प्रशासनिक अधिकारी मिले हैं। शुक्रवार सुबह नवागत उप जिलाधिकारी (एसडीएम) रवि कुमार पासवान और उप जिलाधिकारी न्यायिक अशोक कुमार गुप्ता ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर अपना-अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। शासन के निर्देश पर तैनात किए गए दोनों अधिकारी हाल ही में अन्य जनपदों से स्थानांतरित होकर सोनभद्र आए हैं। नवागत एसडीएम रवि कुमार पासवान इससे पहले बलिया जनपद की रसड़ा तहसील में उप जिलाधिकारी के पद पर कार्यरत थे।

कार्यभार संभालने के बाद अधिकारियों ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने, लंबित राजस्व मामलों के शीघ्र निस्तारण और आम जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की बात कही। एसडीएम रवि कुमार पासवान ने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार हर जरूरतमंद व्यक्ति को न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या लेकर सीधे उनसे मिल सकता है। क्षेत्र की समस्याओं का हरसंभव समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। नई तैनाती के बाद स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है कि दुद्री तहसील में प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी, राजस्व मामलों का समयबद्ध निस्तारण होगा और आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं का लाभ अधिक सुगमता से मिल सकेगा।

रेस्टोरेंट में पुलिस का छापा, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर कई लोग हिरासत में

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के सठियांव बाजार स्थित एक फूड प्वाइंट रेस्टोरेंट में शुक्रवार को पुलिस ने छापेमारी कर कई लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस यह कार्रवाई एक अज्ञात महिला की सूचना पर की गई बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, आजमगढ़-मऊ मुख्य मार्ग स्थित सठियांव बाजार के रेस्टोरेंट में कुछ युवक-युवतियों के मौजूद होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही मुबारकपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू की। पुलिस कार्रवाई के दौरान



रेस्टोरेंट संचालक सहित दो युवकों और दो युवतियों को थाने ले जाया गया। पूछताछ के बाद दो युवतियों को छोड़ दिया गया, जबकि अन्य लोगों

वसई में एकीकृत प्रशासनिक भवन को मंजूरी, सभी सरकारी कार्यालय एक ही परिसर में होंगे

नालासोपारा। पालघर जिला नियोजन एवं विकास समिति (DPDC) की बैठक में वसई तालुका के सभी सरकारी कार्यालयों के लिए वसई गांव स्थित पंचायत समिति परिसर में एकीकृत प्रशासनिक भवन (एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग) के निर्माण को मंजूरी दे दी गई। यह प्रस्ताव भाजपा विधायक राजन नाइक की पहल पर पेश किया गया, जिसे विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने समर्थन दिया। इसके बाद समिति ने प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी प्रदान कर दी।

बैठक की अध्यक्षता पालघर के पालकमंत्री गणेश नाइक ने की। मंजूरी मिलने के बाद वसई तालुका के नागरिकों को विभिन्न सरकारी कार्यालयों के कामकाज के लिए अलग-अलग स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। सभी प्रमुख सरकारी कार्यालय एक ही परिसर में



उपलब्ध कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वसई तालुका की आबादी 30 लाख से अधिक हो चुकी है, जबकि अधिकांश सरकारी कार्यालय पुरानी और जर्जर इमारतों में संचालित हो रहे हैं। तहसील कार्यालय की इमारत

पुरानी हो चुकी है, पंचायत समिति भवन को खतरनाक घोषित कर खाली कराया जा चुका है, वहीं भूमि अभिलेख कार्यालय, सहकारी विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, उप-पंजीयक कार्यालय तथा राशन आपूर्ति विभाग सहित कई कार्यालय

भाजपा मुंबई महिला मोर्चा के 100 दिन पूरे, कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत



मुंबई। भाजपा मुंबई कार्यालय 'वसंत स्मृति', दादर में भाजपा मुंबई महिला मोर्चा के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर मुंबई भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक अमित साठम ने महिला मोर्चा की 100 दिनों की

कार्य रिपोर्ट का विमोचन किया। मुंबई भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती योजना ढोकले ने पदभार संभालने के बाद यह लक्ष्य निर्धारित किया था कि केंद्र, राज्य और मुंबई संगठन द्वारा तय किए गए सभी कार्यक्रमों को पहले 100 दिनों

ब्रांड फाइनंस इंडिया 100 2026 में एचपीसीएल भारत के शीर्ष 20 सबसे मूल्यवान ब्रांड्स में शामिल

मुंबई। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को ब्रांड फाइनंस इंडिया 100 रैंकिंग 2026 में भारत के शीर्ष 20 सबसे मूल्यवान ब्रांड्स में स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि देश के ऊर्जा क्षेत्र में कंपनी की मजबूत ब्रांड पहचान और नेतृत्व को पुनः स्थापित करती है। दुनिया की अग्रणी स्वतंत्र ब्रांड वैल्यूएशन कंसल्टेंसी ब्रांड फाइनंस द्वारा जारी की जाने वाली यह वार्षिक रैंकिंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त रॉयल्टी रिलीफ पद्धति पर आधारित है। इस मूल्यांकन में किसी ब्रांड का आकलन उसके वित्तीय प्रदर्शन, ब्रांड की मजबूती तथा उपभोक्ताओं की धारणा के आधार पर किया जाता है, जिससे यह वैश्विक स्तर पर ब्रांड मूल्यांकन का



सबसे विश्ववसनीय मानकों में से एक माना जाता है। भारत के शीर्ष 20 सबसे मूल्यवान ब्रांड्स में एचपीसीएल का शामिल होना परिचालन उत्कृष्टता, ग्राहक-केंद्रित नवाचार और विश्ववसनीय ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने के प्रति

कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि एचपीसीएल को ब्रांड फाइनंस इंडिया 100 रैंकिंग 2025 में भी शीर्ष 20 सबसे मूल्यवान ब्रांड्स में स्थान मिला था, जो कंपनी की ब्रांड साख, निरंतरता और मजबूती का प्रमाण है। भारत के

ऊर्जा परिवर्तन (एनर्जी ट्रांजिशन) की दिशा में आगे बढ़ने के साथ, एचपीसीएल स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल परिवर्तन और प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों में निरंतर निवेश कर अपने व्यवसाय को और मजबूत बना रहा है। दशकों से अर्जित ग्राहकों के

मीनल ताई संजय तुर्डे को जन्मदिन पर शुभकामनाएं, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया सम्मान



मुंबई। मुंबई के कुर्ला (पश्चिम) स्थित शेट ईश्वरदास हरिदास भाटिया हाई स्कूल (कराची), वाडिया इस्टेट, बेलबाजार में नगरसेविका, वार्ड क्रमांक 166 तथा महिला एवं बालकल्याण समिति की अध्यक्ष मीनल ताई संजय तुर्डे के जन्मदिन के अवसर पर एक स्नेह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मीनल ताई तुर्डे का शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), सुखबीर सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने मीनल ताई को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की कामना की। समारोह के अंत में मीनल ताई संजय तुर्डे ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा उपस्थित लोगों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

जगह की कमी या किराये की इमारतों में संचालित हो रहे हैं।

विधायक राजन नाइक ने समिति के समक्ष कहा कि पंचायत समिति परिसर में पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, जहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक विशाल प्रशासनिक भवन बनाया जा सकता है। इससे राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के कार्यालय एक ही स्थान पर संचालित किए जा सकेंगे और नागरिकों को बेहतर एवं सुगम सेवाएं मिलेंगी। भाजपा वसई-विरार जिला महासचिव मनोज बारोट ने बताया कि विधायक राजन नाइक लंबे समय से इस परियोजना के लिए प्रयासरत थे और पालकमंत्री गणेश नाइक के समक्ष भी इसकी मांग रखी गई थी। अब डीपीडीसी की मंजूरी मिलने के बाद परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है।

कट्स इंटरनेशनल की रिपोर्ट में आजीविका, सुरक्षा और किरायती शहरी परिवहन की रक्षा के लिए समान बाइक टैक्सी नियमों की मांग

मुंबई। कट्स इंटरनेशनल की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, अलग-अलग राज्यों में नियम लागू करने की विसंगतियों को दूर करने, गिग वर्कर्स की आजीविका सुरक्षित करने, फर्स्ट और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत को बाइक टैक्सियों के लिए एक समान, तथ्य-आधारित और आनुपातिक नियामक ढांचे की आवश्यकता है।

भारत में बाइक टैक्सी नियमों का सामंजस्य: एक तथ्य-आधारित मूल्यांकन और सुधार के सुझाए गए मार्गह नामक इस रिपोर्ट को आज नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता, गोपाल कृष्ण अग्रवाल द्वारा लॉन्च किया गया।

लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, अग्रवाल ने कहा, 'रजैसे-जैसे भारत जीवन जीने की सुगमता के एजेंडे को मजबूत कर रहा है, एक एकीकृत मोबिलिटी इकोसिस्टम कनेक्टिविटी, रोजगार, उत्पादकता और टिकाऊ विकास का एक महत्वपूर्ण चालक बन सकता है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब भारत में बाइक टैक्सी नियमों में तेजी से बदलाव हो रहा है, जिसमें राज्य अलग-अलग दृष्टिकोण अपना रहे हैं - जैसे कि सक्षम ढांचे और सशर्त अनुमति से लेकर प्रतिबंध, केवल ईवी के लिए अनिवार्य नियम और कानूनी अनिश्चितता तक। कट्स का कहना है कि इस बटे हुए परिदृश्य ने यात्रियों, गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म एग्रीगेटर्स और रेगुलेटर्स के लिए अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिससे एक सुसंगत और स्पष्ट नीतिगत ढांचे की आवश्यकता और भी मजबूत हो

लॉन्च के अवसर पर विशेष संबोधन देते हुए, राष्ट्रीय सड़क

30वें दीक्षांत समारोह के गोल्ड मेडल प्राप्तकर्ताओं की अनंतिम सूची जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के 30वें दीक्षांत समारोह-2026 में विभिन्न विषयों एवं पाठ्यक्रमों में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं की अनंतिम सूची विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा समिति की 09 जुलाई 2026 को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में यह सूची प्रकाशित की गई है।

यदि किसी छात्र-छात्रा को सूची में अंकित नाम, अनुक्रमांक, प्राप्तांक अथवा अन्य किसी विवरण के संबंध में

कोई आपत्ति हो, तो वह अपने साक्ष्य एवं प्रमाणों सहित 20 जुलाई 2026 को सायं 5:00 बजे तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में लिखित प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर सकता/सकती है। अभ्यर्थी अपना प्रत्यावेदन ई-मेल examcontroller18219@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

परीक्षा नियंत्रक ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के उपरांत प्राप्त होने वाली किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। अतः संबंधित छात्र-छात्राओं से समय रहते अपनी आपत्तियां एवं आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।



सुरक्षा बोर्ड के अध्यक्ष, नितिन आर. गोकर्ण ने कहा कि इनोवेशन अक्सर नियमों से तेजी से आगे बढ़ता है, और उभरते मोबिलिटी सेक्टर में सुरक्षित और जवाबदेह विकास को समर्थन देने के लिए नियामक ढांचे को समय के साथ विकसित होना चाहिए।

लॉन्च के दौरान नियामक सामंजस्य, कानूनी अस्पष्टता, मोबिलिटी इनोवेशन, आजीविका और उपभोक्ता कल्याण पर दो पैनल चर्चाएं भी आयोजित की गईं।

पहला पैनल, राज्यों में नियमों का सामंजस्य: नीतिगत कमियों और कानूनी अस्पष्टताओं को पाटना, का संचालन अमोल कुलकर्णी, डायरेक्टर, रिसर्च, कट्स इंटरनेशनल ने किया। इस पैनल ने छवि बंसवाल, फाउंडर एंड प्रिंसिपल कंसल्टेंट, काइरल कंसल्टिंग, परोमा भट्ट, हेड ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट रिलेशंस, उबर इंडिया एंड साउथ एशिया, प्रवेश

बियानी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन सस्टेनेबल मोबिलिटी, आईआईआईटी दिल्ली, शांतनु शर्मा, सीनियर मैनेजर, लॉ, पॉलिसी एंड रेगुलेशंस, रैपिडो; और निखिल राठी, सीनियर अकाउंट डायरेक्टर, पब्लिक पॉलिसी, चेज एडवाइजर्स शामिल थे। दूसरा पैनल, रभारत के मोबिलिटी इकोसिस्टम में बाइक टैक्सी: इनोवेशन, आजीविका और उपभोक्ता कल्याण, का संचालन अनिल सासी, नेशनल बिजनेस एडिटर, द इंडियन एक्सप्रेस, ने किया। इस पैनल में वीरेंद्र एस. राठौर, डिप्टी कमिश्नर, डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्ट, गवर्नमेंट ऑफ राजस्थान; शिक्षा श्रीवास्तव, एसोसिएट, पीएलआर चेम्बर्स; श्रेया यादव, एसोसिएट मैनेजर, लीनल पब्लिक पॉलिसी एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स, रैपिडो; और सौरव वर, प्रोग्राम लीड, मोबिलिटी, कार्डसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर शामिल थे।

NEET में करीब एक दर्जन छात्रों ने हासिल की सफलता, शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ा कस्बे का मान



गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, माता-पिता के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। मुबारकपुर के होनहारों ने साबित कर दिया है कि लगन और दृढ़ संकल्प के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

सफल विद्यार्थियों को क्षेत्रवासियों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों ने उम्मीद जताई कि ये छात्र आगे चलकर अच्छे चिकित्सक बनकर देश और समाज की सेवा करेंगे।

बुनकरों की नगरी के रूप में प्रसिद्ध मुबारकपुर अब शिक्षा और प्रतिभा की नई पहचान भी बना रहा है, जहां से निकलने वाली युवा प्रतिभाएं प्रदेश और देश में अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं।

डा० मोहम्मद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर

SHIFA HOSPITAL

CMO Reg. RME. 2341801

अहमदी मेमोरियल

शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा० मोहम्मद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर

डॉ० अबू फैसल
MBBS, Ortho PGDS
हड्डी और जोड़ों रोग विशेषज्ञ
समय - सुबह 9 से 11 बजे तक
(सोमवार, बुधवार)

डॉ० एम के वर्मा
P.G.D.C. (Dent)
(पारो रोग विशेषज्ञ)
समय - शाम 2 बजे तक (सोमवार, बुधवार)

डॉ० मोहम्मद अब्दुल्लाह
(लाल रोग विशेषज्ञ)
समय - सुबह 9 से 11 बजे तक
(रविवार, शनिवार)

डॉ० एसडी अली
MBBS, MS (Obs & Gynaec Surgeon)
स्त्री रोग एवं गर्भावस्था विशेषज्ञ (Maternity)
समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक
(सोमवार, बुधवार)

डॉ० सनील कुमार दुबे
MBBS, MS
(Laparoscopic Surgeon on call)

डॉ० एसडी अली
MBBS, MS (Obs & Gynaec Surgeon)
स्त्री रोग एवं गर्भावस्था विशेषज्ञ (Maternity)
समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक
(सोमवार, बुधवार)

डॉ० सनील कुमार दुबे
MBBS, MS
(Laparoscopic Surgeon on call)

डॉ० एसडी अली
MBBS, MS (Obs & Gynaec Surgeon)
स्त्री रोग एवं गर्भावस्था विशेषज्ञ (Maternity)
समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक
(सोमवार, बुधवार)

डॉ० सनील कुमार दुबे
MBBS, MS
(Laparoscopic Surgeon on call)

डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चैस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजरेयन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिसाइट, बच्चेदानी, हाइड्रोसैल का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।

पता - मानीकलां, जौनपुर **9451610571, 7380850571**